

अगले सत्र से स्कूलों में प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग

दीनानाथ साहनी • पटना

बिहार की स्कूली शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के जतन में जुटी सरकार अब छात्र-छात्राओं को पढ़ने-पढ़ाने के तरीके में बदलाव करने जा रही है। प्रदेश के स्कूलों में बच्चों को रोचक तरीके से पढ़ाई कराने की योजना प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग (शिक्षा) अगले सत्र से शुरू होगी। इसके लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से पहले ही बजट स्वीकृत हो चुका है। ऐसा माना जा रहा है कि प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग से स्कूली शिक्षा में सुधार लाने की मुहिम को और गति मिलेगी।

ब्लैकबोर्ड पर कम होगी निर्भरता : शिक्षा विभाग ने प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग को प्रभावी तरीके से लागू करने की रणनीति बनायी है। इसके क्रियान्वयन और निगरानी के लिए जिलों में अलग-



अलग अफसरों को जिम्मेवारी सौंपी गई है। हर जिले में स्कूल स्तर पर क्लासरूम की स्टडी की जा रही है। इसी के आधार पर एक रिपोर्ट तैयार की जाएगी जिसमें स्कूली शिक्षा में खामियों को भी चिन्हित किया जाएगा। प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग से प्रदेश के 74 हजार स्कूलों में बच्चों के पढ़ने का ढंग भी बदलेगा और शिक्षकों

बच्चों में बौद्धिक एवं तार्किक क्षमता के विकास पर जोर

शिक्षा विभाग के मुताबिक प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग जैसे नवाचार प्रयोग से बच्चों में बौद्धिक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा। फिलहाल यह प्रयोग नवोदय विद्यालयों एवं केंद्रीय विद्यालयों में लागू है, जहां यह बच्चों को होमवर्क के रूप में कराया जाता है। इस नवाचार में बच्चों को हिंदी, पर्यावरण, अंग्रेजी और गणित जैसे विषयों को रोचक तरीके से पढ़ाया जाता है। एक अधिकारी ने बताया कि जब स्कूलों में प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग शुरू होगी तब क्लासरूम में बच्चों को विशेष किट दी जाएगी। इसमें पलैशकार्ड, एक्टिविटी कार्ड, कार्य पत्रक आदि शामिल होंगे। किट में विभिन्न प्रकार से सीखने एवं पढ़ने से जुड़ी एक दर्जन गतिविधियों को भी शामिल किया जाएगा।

के पढ़ाने के तरीके में सुधार भी आएगा। शिक्षा विभाग का भी मानना है कि केंद्र सरकार की इस पहल से बच्चों को रटाने या फिर ब्लैकबोर्ड के जरिए पढ़ाने की निर्भरता को कम किया जा सकेगा। स्कूली शिक्षा में इस अभिनव प्रयोग में यूनेस्को का भी साथ मिला है।

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग : स्कूलों में बच्चों

को पढ़ाने का या समझाने का एक ऐसा तरीका है, जिसमें बच्चों को किसी भी विषय या पाठ को बड़े ही रोचक और इन्ोवेटिव तरीके से समझाया जाता है। इस प्रयोग में बच्चों को एक्टिविटी बेस्ड लर्निंग पर भी जोर दिया जाता है। जिसे वह खेल-खेल में सीखते हैं और उसे जीवन भर नहीं भूलते।